

संस्तु १८ ५३ तालमावेशाख ५दि ४० ज ५ मा गा भाल यात्रा भयो- ताहा पछि वेसाख ५दि ४० ज ५ मा लुट
धारा मा यात्रा भयो- ताहा बाट रथ ५ दि ४० गति नो ह मा रथ विगमो ॥ बगै ह वैसाख पछि ज्येष्ठ को रित ५ मा

सिधल टाला १ सिध टाला १ येकन टाला ४ थूलि वि कानखून

मिनय काया, जिहाहाल ॥ **पञ्ज वा कया ॥** कलुन म १ लख कल
लि टाला २ नवां ह हा ३० ग्वान पाट ३० विखय ल टाला ३०
मिइइन नयाण निय ग्वलि विहाण न क दू २१ मना वून क
मइ ॥ **हिह गि कानास ॥** काला जि खात दू खाना हि खाता ख

यल थूलि गुलि विहाण न क ॥ **पञ्ज लया नास ॥** लवान लवा

संस्तु १८ ३८ तालमि वैसाख ५दि ४० ज ५ मा श्री ३ नदिन्द्र नाथ कारथ विगदा गा भाल जात्रा
संस्तु तसो गरिजात्रा भयो ॥ ताहा बाट रथ घिस्या हल्ला न कि म्याका घामा पुग्दा न दिज्या धारा रथ बगै
गयो ॥ उवाहाल जात्रा जो पागे जातिमा श्री ३ कतना मये विराजमान गए रथ विगारि के रित नजो ॥ सिध क
२० दि ४० ज्येष्ठ को रित माहालि रथ मा श्री ३ कतना मये विराजमान गए रथ विगारि के रित नजो ॥ सिध क
२० दि ४० ज्येष्ठ को रित माहालि रथ मा श्री ३ कतना मये विराजमान गए रथ विगारि के रित नजो ॥ सिध क

संस्तु १८ ५३ तालमावेशाख ५दि ४० ज ५ मा गा भाल यात्रा भयो- ताहा पछि वेसाख ५दि ४० ज ५ मा लुट
धारा मा यात्रा भयो- ताहा बाट रथ ५ दि ४० गति नो ह मा रथ विगमो ॥ बगै ह वैसाख पछि ज्येष्ठ को रित ५ मा

न ह्याव पि पि प्रलव ग्वच द्या पासि पि ध्वलि नि या उ दाय
का उ गान क ॥ उखा हू न्मा नायि ॥ ध्वर्त्तन नि या उ ग्व लि वि
का उ वून हा वि हा ख न या उ मं उ गा हा उ न क ॥ नि दिन या
ना स ॥ वि ख य ल उ यि उ टा हू क हू ल ध्व लि नि या उ यि
ता ल इ था हा सा ध न व ला उ म गा ला य श ग ल का स थ ल स
हू या ॥ मखा स्या क ना स वा ॥ वा स क हू ल नि या उ ग्व लि

१६५३ साल मित वैशाख १२ गे १६ मा. बुद्धि प्राप्त भई को. छोटा जन्मा को. दिन चार २६ प २२
दिन बाकि छार ५ पला ४० जन्मा को. कैलास जन्मा को. दिन १

८७ को दादा द्वागार्हे दाधिनाटवस्यो ॥ गलापद्धि
आधा॥ अदि मातेजमना नाटा वविषादधगादि आजा
नरि ताता हमा ज्ञानुतुतो आधा॥ अदि नरि दसा दुनाये

३^० मूलकुंडुर्गगाजमूनापिदश्रीमाहादकोलहालामिति (कि) तितेतेननचो (मे) पे पनलागे. गोए
पार्वताश्रीमाहादेवकोवाचा ॥१॥

भास्वानया इह भाटा कपला चानया हा ग्वनि विद्वानक
 यध रुया उवा निगाद वरु उ द्रुया ठानक ॥ बंधनास ॥ इद्र
 ह १ इद्र मुय कल १ रुयका उ पनां रुला लाय १ कूर्तन न गाला १ रुयप छि
 न ४ रुवा लाच म ४ नवाम ४ पि पि न गाला २ म लुच गाला २ ग्वच क
 ला २ या सि पि पा ग १ वान गाला १ रुमा ल म ४ जिल गाला २ रुयल
 ल गाला २ ०० मून गाला १ ग्वसुह गाला ३ रुन ग्व १ पु १ रु ल प्र रुवा

सिध्दत १५४६ तालिका वेला सञ्चरि १ तेज ७ पात्रा नं लिन्द नाथ कारका जात्रा भयो तेका तौ थिका रि न मा गा भास्त
जात्रा भयो ॥ तालु वाट मा हा पाल आया पाछि एथ विगुंरा ३५ दिन सम्म पहल मा कुरु ना भय विराज ना भयो १

तं राघोते पुनः का ए जात्रा भे-इदि न मास ज्ञानो
मयो॥ ना हा दे मि र॥ इदि न मा हे ते हे रि-एथ कि ह्या मो
एन ध लि-भ ग ल प म त मा र॥ इदि न मा व डः इ ति गरि
एथ इ ठा इ डा ला प्र दि ग्रे डा मा-जा व न से वि डा म य

[illegible]

कृष्णमाला
 नाम्नाया
 प्रथमप्रवृत्ति
 पेशा
 पोषा
 विवो

[illegible]

उमलजा गो भयो ॥ ताहा वा. ८. मोदा मा. ८. थविगति. ३० दिन सप्त. मलमात. ८. वा. ८.
८. थ. न. ति. धे. या. को. ८. मु. प्र. ज. ८. उ. दि. १०. ज. वा. ८. थ. च. लि. आ. छा. ८. वा. ८. ५. म. ल. ग. न. मा. ८. आ. ५. पा. १.
५. पि. पि. ल. म. २. सू. थ. म. २. हि. ठ. म. ५. हा. २. ल. वा. न. आ. म. य. ८. ८. १०. या. नि.
ग्व. य. श. ३. ॥ ॥ क. च्छ. म. सू. ल. ज. ला. प. सा. दू. द. मि. या. ३. पा. य. दि. न. १. स्या.
सि. क. या. ना. स. ॥ ॥ स. पा. च्छ. पू. र्ण. वा. क. पि. पि. ल. जिल. थ. लि. ग्व. लि. वि.
हा. ३. न. क. प. खा. ल. श. ३. का. स्ता. ॥ ॥ वि. न. हा. सि. खा. ला. उ. हा. ३. सि. वि.
ख. य. नि. या. ३. ग्व. लि. वि. हा. ३. न. क. ज. ले. क. यि. ३. या. ना. स. ॥ ॥
म. ल. च. म. ३. पि. पि. म. ३. सू. थ. म. ३. ज. ले. ह. ने. गो. ना. १०. स. म. न. गो. ना. १. न. वा.
६. गो. ना. १. वि. हा. ३. ग्व. लि. वि. हा. ३. न. य. ३. न. या. ना. स. ॥ ॥ का. स्ता.
न्या. हा. गो. ना. ८. वृ. र्ध. चा. गो. ना. ८. ग्व. स. ह. न. गो. ना. ८. क. स. र्खा. ००. गो. ना. ८.
कु. न. कि. गो. ना. ८. ह. ००. म. ल. गो. ना. ८. ज. व. स. गो. ना. ८. म. ल. स. मा. ज.

...या ...

916
四庫全書

नामा लजात्रा पद्मा पद्धि तो हा वा ८८ धाता न्ना ना के ज्वाल मा एथा वा ग्रि त कि ज्वाल का धना ५५ ना मा
एथ मा धि धा मा अडे दिला ५५ फलै वा मा श्री ३ फल ना पद्य प्रोक्षि हुना थ मि ज प वि गा ५५ एथ भक्त का ८
पे ८८ एथ व ना ह धि मा ८ न गल मा त्री भु ना पाशा गो मा को ले सा फि न तो हा वा ले ग न जा त्री भ को ल ग ने जा त्री
मा पा ठे रि १० पा ठे एथ धि मा ८ पले पु छ वी ध्या पा ठे ज्या बल खिले जा त्री ला ८ होत ६० वा के मा एथ

ह क न ह र य पूजा कय रु नि मा दान रु ल व या क पूजा ॥ ७ ॥ ग म क

ना स मा न च न ना र कय पूजा ॥ ८ ॥ रु स यान मन म द धन हा नि

म्या लु जा न मा ल्या य मा लि जा ध्या य ल्या य पूजा रि म स्य न क पा थ म न

क पूजा या य ॥ ९ ॥ इ ह ग वा न व ल म द धन स क न ह र य पूजा धा

न द र य ए नि ल्या य पूजा मन रु ना स र य पूजा म दान वि य मा हा क

ल या क पूजा या य ॥ १० ॥ रु स ल्या य पूजा धन हा नि ध्या य स ल्या य

मा रु ह य द य पूजा रु जा स र द क हा क हा दान रु म स्य न पूजा याः

वि शि आ ला का रि न २५ मा के रि एथ व वा ६ ज्या बल जो त्री भ को ता हा पा ठे दि न ४ मे हा वा दि न

मा सो वा ना (मा व) मा ते पु के व को ७ म को ॥ ११ ॥

श्रीमद्दिनना १८४५ लालका वै ॥ १॥ अदि १ मा ८५ मा वल्ल्या गाल जात्र सुधापत्रा जात्रा भवे ५ म नाहाल मा विग्रु तरण
 वनाहल ग जात्रा भवे विता विता जात्र दुस्रा भवे विदि १४ कीदि १ मा गुजति ५ क ५ भयो

जा ॥ १० ॥ पवन विद्यावन वल्लु हा निशय ५ ग लुव स्या यडा वा
 उव लुदान नानायन पूजा या य ॥ ११ ॥ ग स चन वल्लु लो र
 दय सुतु न स ग स मान दय ५ ॥ १२ ॥ नात्र हय कन दय
 मिखा उगि स्या यडा ग लु हय दय ५ मा सा दान विय ना ८५ ५
 नि पूजा या य ॥ १० ॥ नाह र ल द स चान मन मद्र ग लु हय चन
 गाद क म्वा ग र य ग दान विय ॥ २ ॥ स ग लु हय नात्र हय चन
 हा नि न यन कय म्वा ग र य ग दान विय ह ल पूजा या य ॥ ३ ॥

जत्र या के शलाज यात किदि मा मति लाल ५ के लाल भो या दि लाल ६ के ॥ २ ॥
 पंथ सुगंध लाल ५ के ॥ १ ॥ क म क म ॥ गो लो चन र मं य ५ ॥ ध्या पिला ५ ॥ ध्या

५५५५ ॥ के गुणि ५ ॥ १५ ॥ रि का के १ ॥ गुणि

उत्तलाल ६ २ केसारे सा धु धुपाया प्रमाया न (ज) मलगायत्
हंत दुग् या भोष्टे या गो कालिका मंत्र जत्र चोपा न ध्यायेत्.

१०८ मंत्रयात्रा विष्णुः सर्वमोहति. पुत्रलाभ (जपात् सर्वसिद्धिर्गृह्यते)

ॐ ह्रीं स्वायंता महास्वायंता म्वातदानविषमं न सवहितयः

जमानवननाह ४५ मगलश यूडा ॥ १ ॥ घलक नहश यूडा ब्रिना

चशयूँडा मद्रयाक म्माचग ह्यायूँडा म्मानखग दान मोहाका

॥ गय ॥ ८ ॥ विवा दय्या दयूज के न ह दयू ज न ग ना ग दयू ज ॥

ना कृत्यता लो जनमयूवाय न हानमनय ॥२॥ धनवहृहाः

प्राशुताशुता^नविनामनः तोगेतोमणिचैव प्रथमोद्य विबर्जयत॥१॥

कर्मणि १ मर्दोत्पत्तिश्चकि
द्वेष्टादत्त १ चकि ५०॥५॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

मनुनास **ग्रहनायुजा ॥ ४ ॥** लुगनयूष्यानस्यायमानिडा रु
कशिककाननगदान **कलागदवनियय ॥ ५ ॥** कनहृदयकय
डा काननगदान **नासुहयाकयूजा ॥ ६ ॥** हमिनानोवसुना
ह ॥ ७ ॥ व्यायसुहमिभनगजा **लस्याकाभ्रानस्यरुयूडा गव**
लपानास्यथाहाडा दानविय ॥ ८ ॥ मिहृवाहमि कचासर
यूडानागयाहय पा ३ वनियदाकास यूजा वियप्ररुनिय
व ११ वियनासुहयूजायायमान ॥ २ ॥ धनहानिमूनभ्रनास्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३० ॥

सम्यत् १९४८ साल १९४९ साल का आश्विन मेषहातमा ॥ चान्नमोह १ को ता ३८ अमाना १
पैता ७ को दो मोह १ के माना ११ एन के माना १ के पैता ७ चान्नमात ८ के मोह एक ॥ गुरुपा ३८
मोह ८ ॥ विधत अनिकाल भयो ॥ मोहाह नधेस सिहृपनिधान नपा हना निहको